(c) if so, what are the reasons there for alongwith th$_e$ No. of societies be nefited with the change in the criteria and the number of societies which have been offered land; and

(d) the steps contemplated by Gov ernment in this regard?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DAULAT RAM SARAN): (a) Considering the very large number of applications for registration within a short time during July & August, 1983, it was decided by the Government that inter-se seniority of the eligible societies be determined in the sequence of verification of documents of the Societies by the Registrar of Cooperative Societies.

(b) Delhi Development Authority ha$_s$ issued letters of offer to only those 423 societies, which have been cleared by the Registrar of Cooperative Socie ties.

(c) and (dj Do not arise in view of (b) above

पर्यटन के विकास की संभावनाएं

1082. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि 1990-91 में पर्यटन के विकास की संभावनाओं का ब्यौरा क्या है और देश को पर्यटकों से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित होने का अनुमान है ?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उषा सिंह) : वर्ष 1990-91 के लिए पर्यटन से विदेशी पर्यटक आगमन में 8% और विदेशी मुद्रा आय में 18% की वृद्धि के लक्ष्यों की परिकल्पना की गई थी ।

दालों की कमी

1083. **श्री राम नरेश यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में दालों और तिलहनों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता और आवश्यकता कितनी-कितनी है ; क्या सरकार ने उनकी कमी को पूरा करने के लिए कोई योजना तयार की है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ख) देश में बढती हुई जनसंख्या की मांग को देखते हुए दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार ने किसानों को क्या-क्या सुविधायें देने का निर्णय लिया है ?

कृषि मंत्रालय और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्ती लाल बीरचन्द भाई शाह) : (क) 1988-89 के दौरान दालों और खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति उपलब्धि निम्न प्रकार है :—

फसल	प्रति व्यक्ति उपलब्धि	मांग
दालें	40.4 ग्राम प्रति दिन	47 ग्राम प्रति दिन
तेल एवं वनस्पति	6.5 किलो ग्राम प्रति वर्ष (1988-89)	7.3 किलो ग्राम प्रति वर्ष

(ख) दालों और तिलहनों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए केंद्र द्वारा प्रायोजित/केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं :—

(1) राष्ट्रीय दलहन विकास परियोजना

(2) विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम —दलहन

(3) तिलहन उत्पादन कार्यक्रम ।

इन योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न घटकों, अर्थात बीज उत्पादन, बीज मिनिकिटों का वितरण, बड़े आकार के प्रदर्शन आदि, पर राज्यों को वित्तीय सहायता दी जाती है ताकि किसानों को बड़े पैमाने पर उन्नत प्रौद्योगिकी से दालों और तिलहनों की खेती शुरू करने के लिए प्रेरित किया जा सके ।